

# दिल्ली राजपत्र

## Delhi Gazette

असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 65] दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 22, 2013/वैशाख 2, 1935 [रा.रा.क्षे.दि. सं. 13  
No. 65] DELHI, MONDAY, APRIL 22, 2013/VAISAKHA 2, 1935 [N.C.T.D. No. 13

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव विभाग

अधिसूचनाएं

दिल्ली, 22 अप्रैल, 2013

सं. फा. 211/डब्ल्यूएफडी/सीओटी/2012-13/408-17.—जबकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र सरकार जनहित में ऐसा करना आवश्यक समझती है,

अतः, अब, दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 (1994 का दिल्ली अधिनियम 11) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली एमआरटीएस प्रयोजना, तृतीय चरण के निर्माण हेतु नीचे दिये गये विवरण के अनुसार 25.47 हेक्टेयर क्षेत्रफल से उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) के उपबंधों से इसके द्वारा छूट प्रदान करती है।

क्र. सं.	स्थान	क्षेत्र का विस्तार (हेक्ट.)	हटाये/लगाये जाने वाले अपेक्षित वृक्षों की संख्या	अपेक्षित प्रतिपूरक वृक्षारोपण (वृक्षों की संख्या)
1.	दिल्ली एम.आर.टी.एस. प्रयोजना, तृतीय चरण का मुण्डका, बहादुरगढ़ कॉरिडोर	25.47	491—काटने के लिये 07—प्रत्यारोपण के लिये	गुमनहेड़ा में अमलतास, पीपल, पिलखन, गूलर, तथा बरगद, बर एवं अर्जुन प्रजातियों के 4980 पौधे लगाये जाने चाहिए।
		कुल	498	4980

यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है:

- (क) आवेदक को पाँच वर्ष की अवधि के लिये पौधों के संपूर्ण विकास एवं रखरखाव हेतु निम्नानुसार 1,61,05,320 रुपये (एक करोड़ इक्कसठ लाख पाँच हजार तीन सौ बीस रुपये मात्र) की राशि अग्रिम रूप में जमा करवानी होगी।

परियोजना संख्या	लगाये जाने वाले पौधों की संख्या	अन्य प्रशासनिक व्ययों तथा आकस्मिक व्यय सहित कुल राशि	वन प्रभाग में जमा कराई जाए
1.	4980	1,61,05,320 /— रुपये	उप-वन संरक्षक (पश्चिम)

- (ख) गुमनहेडा की वन भूमि में प्रतिपूरक वृक्षारोपण किया जायेगा तथा उनका पाँच वर्षों तक रखरखाव किया जायेगा।  
 (ग) उप-वन संरक्षक के परामर्श से वृक्षों को काटे जाने के पश्चात् प्राप्त लकड़ी दिल्ली मेट्रो रेल निगम द्वारा दिल्ली नगर निगम के संबंधित कर्मचारियों को सार्वजनिक शवदाहों में प्रयोग हेतु सौंपी जाए।  
 (घ) वृक्ष काटे जाने के स्थल से लकड़ी ले जाने से पूर्व उक्त लकड़ियों की दुलाई के लिये वृक्ष अधिकारी (पश्चिम) से दुलाई अनुमति प्राप्त करनी होगी।

### DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND WILDLIFE

#### NOTIFICATION

Delhi the 22<sup>nd</sup> April, 2013.

**No. F. 211/WFD/COT/12-13/408—17.**—Whereas the Government of National Capital Territory of Delhi considers it necessary to do so in the public interest,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 29 of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994 (Delhi Act 11 of 1994), the Government of National Capital Territory of Delhi hereby exempts an area of total 25.47 ha. as detailed below for construction of Delhi MRTS Project, Phase-III from the provision of Sub-section (3) of Section 9 of the said Act.

Sl. No.	Location	Extent of Area (ha.)	No. of trees required to be removed/ transplanted	Compensatory plantation required (No. of trees)
1	Mundka Bahadurgarh Corridor of Delhi MRTS Project, Phase-III.	25.47 ha.	491 for removal 07 for transplant	4980 (Saplings of tree species Amaltas, Peepal, Pilkhan, Gular and Bargad, Ber & Arjun would be planted in Ghummenhera)
		<b>Total</b>	<b>498</b>	<b>4980</b>

The exemption is subject to fulfillment of the following conditions:

- a) The application shall make an advance deposit of an amount of Rs. 1,61,05,320 (Rs. One crore sixty one lakh five thousand three hundred and twenty only) for creation and maintenance of compensatory plantation for a period of 5 (five) years as follows:

Project No.	No. of Saplings to be Planted No. of Trees	Total Amount including other Administrative expenses and contingency charges (in Rs.)	To be Deposited with Forest Division
1	4980	1,61,05,320	DCF (West)

- b) The compensatory plantation will be raised and maintained for 5 (five) years in the Forest land at Ghummenhera.
- c) The wood obtained on removal of trees shall be handed over by the DMRC to the officials concerned of MCD for its use on public crematoria in Delhi in consultation with the territorial DCFs.
- d) Before shifting of wood from site of removal of trees, transportation permission for transportation of the said wood shall be obtained from Tree Officer (West)

सं. फा.-54/डब्ल्यूएफडी/सीओटी/2012-13/399-407.—जबकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र सरकार जनहित में ऐसा करना आवश्यक समझती है,

अतः, अब, दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 (1994 का दिल्ली अधिनियम 11) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा पश्चिम जिले में केशो पुर पम्प हाउस से नजफगढ़-नांगलोई रोड तक निलोठी वितरिका के दायें तट पर एकल लेन डामर रोड के निर्माण हेतु नीचे दिये गये विवरण के अनुसार 1.15 हैक्टेयर क्षेत्रफल से उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) के उपबंधों से इसके द्वारा छूट प्रदान करती है।

क्र. सं.	स्थान	क्षेत्र का विस्तार (हैक्ट.)	हटाये/लगाये जाने वाले अपेक्षित वृक्षों की संख्या	अपेक्षित प्रतिपूरक वृक्षारोपण (वृक्षों की संख्या)
1.	एकल लेन डामर रोड के निर्माण हेतु पश्चिम जिले में केशोपुर पम्प हाउस से नजफगढ़-नांगलोई रोड तक निलोठी वितरिका का तट	1.15	488	4880
		कुल	488	4880

यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है :

- (क) आवेदक को पाँच वर्ष की अवधि के लिये पौधों के संपूर्ण विकास एवं रखरखाव हेतु निम्नानुसार 1,57,81,920 रुपये (एक करोड़ सत्तावन लाख इक्कासी हजार नौ सौ बीस रुपये मात्र) की राशि अग्रिम रूप में जमा करवानी होगी।

परियोजना संख्या	लगाये जाने वाले पौधों की संख्या	अन्य प्रशासनिक व्ययों तथा आकस्मिक व्यय सहित कुल राशि	वन प्रभाग में जमा कराई जाए
1.	4880	1,57,81,920 रुपये	उप-वन संरक्षक (पश्चिम)

- (ख) हरेवली की वन भूमि में प्रतिपूरक वृक्षारोपण किया जायेगा तथा उनका पाँच वर्षों तक रखरखाव किया जायेगा।

- (ग) उप-वन संरक्षक के परामर्श से वृक्षों को काटे जाने के पश्चात् प्राप्त लकड़ी दिल्ली मेट्रो रेल निगम द्वारा दिल्ली नगर निगम के संबंधित कर्मचारियों को सार्वजनिक शवदाहों में प्रयोग हेतु सौंपी जाए।
- (घ) वृक्ष काटे जाने के स्थल से लकड़ी ले जाने से पूर्व उक्त लकड़ियों की दुलाई के लिये वृक्ष अधिकारी (पश्चिम) से दुलाई अनुमति प्राप्त करनी होगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,  
संजीव कुमार, सचिव

**No. F. 54/WFD/COT/12-13/399—407.**—Whereas the Government of National Capital Territory of Delhi considers it necessary to do so in the public interest,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 29 of the Delhi Preservation of Trees Act, 1994 (Delhi Act 11 of 1994), the Government of National Capital Territory of Delhi hereby exempts an area of total 1.15 ha as detailed below for construction of single lane bituminous road on right bank of Nilothi Distributory from Keshopur pump house to Najafgarh-Nangloi road in Distt. West by Irrigation & Flood Control Department, Govt. of NCT of Delhi, from the provision of Sub-Section (3) of Section 9 of the said Act

Sl. No.	Location	Extent of Area (ha.)	No. of trees required to be removed/transplanted	Compensatory plantation required (No. of trees)
1.	Bank of Nilothi Distributory from Keshopur Pump House to Najafgarh-Nangloi Road in West District for construction of single lane bituminous road	1.15 ha.	488	4880
		<b>Total</b>	<b>488</b>	<b>4880</b>

The exemption is subject to fulfillment of the following conditions :

- a) The application shall make an advance deposit of an amount of Rs. 1,57,81,920/- (Rupees One crore fifty seven lakh eighty one thousand nine hundred and twenty only) for creation and maintenance of compensatory plantation for a period of 5 (five) years as follows:

Project No.	No. of Saplings to be Planted (No. of trees)	Total Amount including other Administrative expenses and contingency charges (in Rs.)	To be Deposited with Forest Division
I	4880	1,57,81,920	DCF (West)

- b) The compensatory plantation will be raised and maintained for 5 (five) years in the Forest land at Harewali.
- c) The wood obtained on removal of trees shall be handed over by the IFCD to the officials concerned of MCD for its use on public crematoria in Delhi in consultation with the territorial DCFs.
- d) Before shifting of wood from site of removal of trees, transportation permission for transportation of the said wood shall be obtained from Tree Officer (West).

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of the National Capital Territory of Delhi,

SANJIV KUMAR, Secy.